

राजस्थान सरकार

राजस्वपूँगुप-६४ विभाग

क्रमांक: प. ६४५४४राज-६/२०१/पाटा-१/४०० जयपुर दिनांक १५-७-०४

तमस्त जिला कलेक्टर

राजस्थान ।

परिपत्र

विषय:- राजस्थान भू-राजस्वपूँगुषि भूमि का अकृषि
प्रयोजनार्थ संपरिवर्तनौ नियम, १९६१ के
निरसित नियम के संबंध में ।

जिला कलेक्टरों द्वारा यह प्रार्थना चाहा जा रहा है कि
राजस्थान भू-राजस्वपूँगुषि भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थी संपरिवर्तनौ नियम,
१९६१ को विभाग की अधिकृति दिनांक ५-३-०३ के द्वारा विलोपित
किया जा चुका है इसलिए उक्त नियमों के तहत विचाराधीन प्रकरणों का
निस्तारण किसके द्वारा किया जावेगा ।

इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि वे प्रकरण जिनमें
१९६१ के नियमों के तहत आतेदारी अधिकारों का राज्य सरकार को समर्पण
किया जा चुका है लेकिन ५-३-०३ तक सम्परिवर्तन/ नियमन आदेश जारी
नहीं किये गये थे तथा प्रकरणों के विचाराधीन रहते हुए ही दिनांक ५-३-०३
को १९६१ के नियमों को निरसित किया जा चुका है ऐसे प्रकरणों में
तथा १९६१ के निरसित नियमों के पश्चात् के नये प्रकरणों में कार्यवाही
अब स्थानीय निकायों द्वारा की जावेगी ।

शास्तन उप तचिव

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को हृचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

१. निर्बंधक राजस्व पांडल अमोर ।
२. लमस्त उप शास्तन तचिव, राजस्व विभाग

शास्तन उप तचिव